एक नजर में

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा काव्य गोष्ठी

देवास। बैंक नोट प्रेस देवास चामुंडा अतिथि गृह में काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अपर महाप्रबंधक सुखपाल सिंह राठौर के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न आयोजन में नगर राजभाषा एवं बीएनपी कामगारों से विविध विषयों पर काव्य पाठ किया। श्रीमती स्नेहा आर्य, नालंदा बागडे, प्रगति पाठक, श्वेता गुप्ता, ऊषा, गरिमा पटेल, देवव्रत पोरवाल, कमल पथरौल, राहुल मालवीय, ज्योति, राहुल शाक्यवार, छत्तीस सिंह, प्रीता अनिल, संजय सिंह, अनुपमा सिंह, अनिल कुशवाहा, अमोल धरदे, श्वेता सिंघल, अमित भदौरिया, हिमांशु राजपूत, आदि ने एक से बढ़कर एक कविताओं का पाठ किया। हिंदी अधिकारी देवेंद्र तिवारी ने आगुंतक सभी अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन गीतकार ओम प्रकाश यादव ने किया वहीं वरिष्ठ हिंदी पर्यवेक्षक विवेक प्रसाद ने आभार व्यक्त किया। आयोजन में कार्यसमिति सदस्य कमल चौहान विशेष रूप से उपस्थित रहे।

बेहरी में आंगनवाड़ी प्रांगण में पोषण सप्ताह मनाया

बागली। बेहरी स्थित आंगनवाड़ी क्रमांक एक और आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 2 में पोषण सप्ताह मनाया गया इस दौरान जीरो उम्र से 6 वर्ष तक के बच्चों को किस प्रकार का पोषक आहार देना चाहिए यह बातें माता को समझाइ गई पोषण सप्ताह के अंतर्गत गर्भवती माता और धात्री माता को बुलाकर नवजात शिशु और गर्भ में पल रहे शिशु की देखभाल किस प्रकार की जाए इस विषय में समझाइए दी गई इस दौरान आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती संगीता गोस्वामी एवं शर्मिला तंवर के साथ बबीता बाई किरण बाई पूजा बाई भूरी बाई राधा बाई शरदा बाई संगीता बाई उपस्थित रही इस दौरान आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा पौष्टिक सब्जियों के विषय में जानकारी दी गई और समय-समय पर टीके लगवाने की बात भी महिलाओं को बताई।

मौन से निर्विचार यात्रा के लिये 8 दिवसीय मौन ध्यान शिविर

देवास। स्वामी योगेन्द्र भारती एवं नवीन सोलंकी ने बताया कि विचार स्मृति पर आधारित होता है। विचार को समझने के लिये सजगता से पूर्णता पूर्वक जीने का नाम ध्यान है। ध्यान की शुरुआत सजगता से होती है। इस हेतु इंदौर उज्जैन रोड पर तक्षशीला स्कूल के पीछे ओशो महाकाल धाम आश्रम में 1 अक्टूबर संध्या 6 बजे से प्रारंभ होकर जो कि 8 अक्टूबर को नाश्ते के पश्चात संपन्न होगा। इस अद्भुत ध्यान शिविर का संचालन ओशो थेरेपिस्ट के संचालक स्वामी सुधाकर भारती, ओशो नयन वाटिका (राउ ललितपुर) उत्तर प्रदेश के द्वारा किया जाएगा। मौन से निर्विचार यात्रा सद्गुरु ओशो के ध्यान प्रयोगों के साथ विपश्ना, जिबरिश एवं झझेन ध्यान के प्रतिफलन अवेरनेस प्रेम, करुणा मस्ती एवं जागरूकता से ओतप्रोत होगी। इस हेतु स्वामी बोधि निजेन, स्वामी बोधि सागर (हिमांशु), मां दिव्याम कांता, स्वामी हर्ष नागर, मां प्रेम संगीत (स्वाती), मां मधुसूदन मीरा, मां प्रेम अन्जु, स्वामी बोधि अशोक ने सहभागिता के लिए आग्रह किया।

अस्मिता बैडमिंटन लीग का समापन समारोह संपन्न

देवास। केंद्रीय सरकार व खेल और युवा कल्याण विभाग द्वारा अनुमोदित तथा मध्य प्रदेश बैडमिंटन एसोसिएशन और देवास जिला बैडमिंटन एसोसिएशन द्वारा आयोजित तीन दिवसीय अस्मिता जिला स्तरीय बैडमिंटन लीग प्रतियोगिता का समापन समारोह स्थानीय कुशाभाऊ ठाकरे बैडमिंटन हॉल पर संपन्न हुआ। समापन समारोह में उद्योगपति एवं जिला बैडमिंटन संघ सचिव अमरजीत सिंह खनूजा ने अपने उद्बोधन में खिलाड़ियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा की खिलाड़ी खूब पढ़े, खूब खेले और अनुशासित रहकर सफलता प्राप्त करे। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मंगला इंजीनियरिंग की मैनेजिंग डायरेक्टर अमिता मंगला ने सभी खिलाड़ियों को आशीर्वाद प्रदान करते हुए बधाई दी इस अवसर पर बैडमिंटन के अंतरराष्ट्रीय कोच दिलीप महाजन तथा खेल विभाग से पप्पी मस्कले ने भी खिलाड़ियों को संबोधित किया। सर्वप्रथम अतिथियों का स्वागत रोबिन राजपाल नीति गिरी प्रियांशी थपलियाल अन्वेषीका दुबे आद्या सिंगी मुकेश धुरिया ने किया, तत्पश्चात अतिथियों को सम्मान चिन्ह अमरजीत सिंह खनूजा ने प्रदान कीए। मध्य प्रदेश बैडमिंटन संघ के सचिव अनिल चौधुले ने सफल आयोजन पर आयोजक व खिलाड़ियों को बधाई दी कार्यक्रम का सफल संचालन यशवंत डागोरा ने किया तथा आभार रोहित गुप्ता ने माना।

त्रि-दिवसीय महोत्सव 25 सितम्बर से

देवास। श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ जैन मंदिर तुकोगंज रोड पर त्रि दिवसीय जिनेन्द्र भक्ति महामहोत्सव का आयोजन होगा। यह महोत्सव 25 सितम्बर गुरुवार से 27 सितम्बर शनिवार तक चलेगा। पूज्य साध्वीजी श्री तत्वरसा श्रीजी म.सा.आदि ठाणा 4 की प्रेरणा एवं सानिध्य में यह अनुष्ठान संपन्न होगा। जिसके अंतर्गत तीन दिनों तक विविध महापूजन, प्रभु भक्ति, हवन एवं आराधना का आयोजन होगा। उक्त जानकारी देते हुए प्रवक्ता विजय जैन ने बताया कि 25 सितम्बर गुरुवार को 9 लाख 9 हजार 999 नवकार महामंत्र जाप पूर्णाहुति का आयोजन होगा। जिसका लाभ राजेन्द्र कुमार मांगीलाल जैन गौतमपुरा वाला परिवार ने प्राप्त किया। श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ मंदिर से सुबह 8 बजे नवकार मंत्र कलश के साथ भव्य शोभा यात्रा निकलेगी। श्री आदेश्वर मंदिर पर होते हुए विजया रोड पर समापन होगा। यहां पर महामंत्र की आराधना एवं श्री संघ द्वारा जाप करने वाले परिवारों का बहुमान होगा। श्री संघ की नवकारशी भी होगी। शाम 6 बजे साध्वीजी द्वारा प्रभुदीप भक्ति का आयोजन मंदिर जी में होगा। 26 सितम्बर शुक्रवार को सुबह 8.45 बजे श्री पार्श्व पद्मावती महापूजन होगा। जिसका लाभ सजनबाई बाबूलाल संतोष कुमार सेठिया परिवार ने प्राप्त किया। विधि विधान एवं भक्ति संगीत हेतु संजय छाजेड पार्टी सुवासरा आएंगे। महापूजन पश्चात स्वामी वात्सल्य का आयोजन होगा। 27 सितम्बर शनिवार को आसोज सुदी पंचमी श्री माणिभद्र बाबा के संकल्प एवं प्रतिज्ञा दिवस के उपलक्ष्य में 108 महापूजन एवं चमत्कारिक हवन का आयोजन होगा। यह आयोजन केसरीमल नगीनराम जैन परिवार द्वारा किया जाएगा। महापूजन विजय मुहुर्त 12.39 बजे से प्रारंभ होगा। विधि विधान हेतु बृजेश जैन उज्जैन पधारेंगे। गीत संगीत की प्रस्तुति राज मोदी पार्टी उज्जैन एवं पार्श्वनाथ म्युजिकल ग्रुप देवास द्वारा दी जाएगी। ट्रस्ट मंडल ने समाजजनों से कार्यक्रम को सफल बनाने का अनुरोध किया है।

तय समय पर नहीं लगी दशहरा कृषिकला एवं औद्योगिक प्रदर्शनी

89 साल से नवरात्रि में लगता था मीना बाजार

देवास। शहर का सबसे पुराना और सबसे लोकप्रिय दशहरा कृषिकला एवं औद्योगिक प्रदर्शनी (मीना बाजार) इस बार अपने तय समय पर नहीं लग पाया है। इसके साथ ही 89 साल से चली आ रही परंपरा भी टूट गई। कोरोना काल में भी मेला नहीं लगा था, लेकिन तब हालात मजबूरी के थे। इस बार मामला अलग है। नगर निगम और जनप्रतिनिधियों की लापरवाही के कारण यह परंपरा समय पर निभ नहीं पाई। पूरे साल इंतजार करने वाला यह मेला आखिर नहीं लग पाया।

सुरक्षा पर सवाल

सूत्रों के अनुसार मेले की जगह को लेकर समिति और नेताओं के बीच सहमति नहीं बन पाई। आखिरी समय में अचानक नया स्थान घोषित कर दिया गया, लेकिन वहां की स्थिति भी ठीक नहीं निकली। चयनित जमीन पर कीचड़ और पानी जमा है, साथ ही पास में बड़ा नाला होने के कारण लोगों की सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। यही वजह है कि लोग पूछ रहे हैं कि जब पिछले साल जिस स्थान पर मेला लगा था, वहां महीनों पहले खेल गतिविधियों का काम शुरू हो चुका था, तो नई जगह समय रहते क्यों तय नहीं की गई।

नगर निगम की इस देरी और ढिलाई को लेकर शहर में नाराजगी है। नागरिकों का कहना है कि अगर पुराने स्थान पर काम चल रहा था तो पहले से वैकल्पिक जमीन तय क्यों नहीं की गई। आखिरी समय पर लिए गए फैसलों ने न केवल जनता का समय और पैसा बर्बाद किया बल्कि शहर की पहचान बन चुकी परंपरा को भी खतरे में डाल दिया।

चर्चा का विषय बना

समय पर क्यों नहीं लग सका, यही सवाल अब पूरे शहर में चर्चा का विषय बना हुआ है। हर साल नवरात्रि के पहले दिन शुरू होने वाला मीना बाजार सिर्फ देवास ही नहीं, आसपास के जिलों के लिए भी बड़ा आकर्षण होता है। लेकिन इस बार हालात यह हैं कि अनगिनत बैठकों और तैयारियों के दावों के बावजूद नगर निगम मेला लगाने के लिए एक पक्की जमीन तय नहीं कर पाया। कभी कीचड़ भरे मैदान का नाम सामने आता है, तो कभी नाले के किनारे का। जगह तय करने की कोशिश में ही समय निकल गया और जनता को सिर्फ अनिश्चितता मिली।

स्पष्ट है कि देवास को जनता को इस बार न तो तय तारीख पर मेला मिला, न ही ठोस योजना। अब सबकी निगाहें इस बात पर हैं कि क्या मीना बाजार नई जगह पर जल्द शुरू हो पाएगा या फिर नगर निगम की सुस्ती और नेताओं की खींचतान के कारण वह परंपरा और लंबा इंतजार कराएगी।

राजनीतिक गलियारों में भी असंतोष की खबरें हैं। कहा जा रहा है कि कई जनप्रतिनिधि इस मामले से खुश नहीं हैं, लेकिन कोई खुलकर सामने नहीं आ रहा। सवाल यह भी है कि जो अपनी ही समिति में सामंजस्य नहीं बना पा रहे, वे इतने बड़े मेले का प्रबंधन कैसे कर पाएंगे।

इनका कहना है

नगर निगम में हर योजना और कार्यक्रम जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ मिलजुलकर बैठकों के माध्यम से बनाया जाता है। यह कहना गलत है कि किसी एक द्वारा निर्णय लिया जाता है। विपक्ष का तो कार्य हमेशा आरोप लगाना ही है। हम जनता को बेहतर सुविधा देने के लिए हमोशा तत्पर हैं। जल्द ही मीना बाजार लगाया जाएगा।

श्रीमती गीता दुर्गेश अग्रवाल
महापौर, देवास

निगम की गलती है। समय पर कोई काम नहीं किया जाता है। जब ये समस्या आनी थी तो पूर्व में सारी व्यवस्था करनी चाहिए। शहर के इतने बड़े आयोजन को लेकर कोई भी ठोस योजना नहीं बनाई जिसके कारण देवास नगर निगम हंसी का पात्र बन रही है।

श्रीमती अहिल्याबाई पवार,
नेता प्रतिपक्ष

जब नगर निगम को उचित स्थान नहीं मिल पा रहा है तो मेला अगले वर्ष भी लगाया जा सकता है। नियम अनुसार मेला आज प्रारंभ हो जाना था। उचित जगह का चयन और व्यवस्था जमाने में 8 से 10 दिन का समय लग जाएगा, जब तक दशहरा समीप आ जाएगा और दशहरे के बाद उक्त मेला लगाने का क्या मतलब है। जबकि लोग दीपावली की तैयारी में जुट जाएंगे तो फिर मेला देखने कौन जाएगा।

मनीष सेन
नेता सत्तापक्ष

देवास के लिए बड़े दुर्भाग्य की बात है कि मीना बाजार जो कि हमारी भारतीय संस्कृति से जुड़ा और परंपरागत आयोजन है वह नगर निगम की अव्यवस्था के चलते अभी तक नहीं लगा पाया है। मेरी नजरों में नगर निगम अब पंगु बन चुका है।

महापौर केवल नाम मात्र का ही महापौर है। जब हन्हें पता था कि पिछले वर्ष जिस स्थान पर मेला लगाया जाना था वह उन्हें उपलब्ध नहीं हो पाएगा तो यह इतने महीनों से क्या कर रहे थे? अंत में आकर जो यह देवास की जनता को गुमराह कर रहे हैं, में उसको घोर निंदा करता हूं। धर्म की बात करने वाले यह लोग अब भारतीय संस्कृति और धार्मिक परंपराओं का भी सही रूप से निर्वहन नहीं कर पा रहे हैं। इन्हें केवल धर्म के नाम पर वोट लेना याद है। इनके इस कार्य ने देवास को शर्मशार कर दिया है।

ठाकुर जयसिंह
पूर्व महापौर

मीना बाजार का स्थान चयन करने में काफी समय हो गया, जिसके कारण आज मीना बाजार अब तक नहीं लग पाया है। इस विषय को ध्यान रखना चाहिए, लेकिन हमें सभी का सहयोग करते हुए अपनी परंपरा को हर्षोल्लास से निभाना चाहिए।

सुभाष शर्मा
पूर्व महापौर

जनता नाराज चाहिये स्पष्ट जवाब

89 साल में पहली बार नवरात्रि के पहले दिन मींना बाजार का शुभारंभ नहीं हुआ। चयनित जमीन निजी होने के कारण अब भी यह तय नहीं है कि वहां मेला लग पाएगा या नहीं। इससे पहले जो जमीन भी उसे समतल और भराव में अनगिनत राशि पानी की तरह बहा दी गई। जिम्मेदार अधिकारी सिर्फ फाइल ऊपर भेजने की बात कर रहे हैं, जबकि जनता स्पष्ट जवाब चाहती है। सोशल मीडिया पर भी लोग इस देरी को लेकर अपनी नाराजगी जता रहे हैं। कई लोग कह रहे हैं कि मेला भले ही बाद में लगे, लेकिन शहर की तैयारियों की कमी ने देवास की छवि को जरूर धूमिल कर दिया है।

राबड़िया में अवैध मुरम खनन का भंडाफोड़

माफिया भागे, मशीनें पकड़ी गईं

देवास। जिले में अवैध खनन माफियाओं पर अब गाज गिरना शुरू हो गई है। ग्राम राबड़िया में सोमवार को जिला खनिज विभाग ने भारी-भरकम कार्रवाई करते हुए अवैध मुरम खनन को रंगे हाथों पकड़ा। जिला खनिज अधिकारी श्रीमति रश्मि पांडे के नेतृत्व में पहुँची टीम ने मौके पर एक पोकलेन मशीन और एक डंपर जप्त कर लिया। अचानक हुई इस कार्रवाई से खनन माफियाओं में हड़कंप मच गया और एक डंपर मौके से भागने में सफल रहा।

अधिकारियों का कहना है कि अवैध खनन कर प्राकृतिक संसाधनों की लूट किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिले में लगातार निगरानी की जा रही है और आगे भी ऐसी कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी। विभाग की इस तत्परता ने साफ कर दिया है कि अब अवैध खनन करने वालों की खैर नहीं।

उत्कृष्ट विद्यालय कन्नौद में किया राष्ट्रीय कृमि दिवस का शुभारंभ

कन्नौद। शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कन्नौद में राष्ट्रीय कृमि दिवस का शुभारंभ नगर पंचायत अध्यक्ष गायत्री जाट के द्वारा सरस्वती जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया । उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य मोहन मंसोरे,बीईई दिनेश साहू,बीपीएम प्रदीप पवार, बीसीएम विनोद भावर, एसटीएलएस दिनेश शर्मा द्वारा उपस्थित जन प्रतिनिधियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया ।बीएमओ डॉ लोकेश मीणा ने बताया कि प्रतिवर्ष सितंबर माह में

कृमि मुक्ति दिवस मनाया जाता है ,कृमि मुक्ति दिवस पर समस्त स्कूलों एवं आंगनबाड़ी केंद्रो पर दर्ज बच्चे एवं शाला त्यागी बच्चों तथा 19 से 49 वर्ष की महिलाओं को एल्बेंडाजोल की गोली खिलाई जावेगी ,आज जो हितग्राही गोली खाने से वंचित रह जाएंगे उन्हें 26 सितंबर मापअप डे के दिन गोली खिलाई जावेगी। मंडल अध्यक्ष हुकुम जाट ने बताया कि आज का हमारा लक्ष्य है कि कन्नौद नगर एवं आसपास के सभी स्कूलों एवं आंगनबाड़ियों में शत प्रतिशत दर्ज बच्चों को कृमि नाशक एल्बेंडाजोल की टैबलेट खिलाई जावे इसलिए हमने हमारी टीम को भी कार्यक्रम के प्रचार प्रसार एवं लोगों में जागरूकता लाने के लिए कहा है ।जनप्रतिनिधियों द्वारा अल्बेंडाजोल टेबलेट की एक-एक गोली बच्चों को चबाकर खिलवाई गई। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष हुकुम जाट ,नगर भाजपा अध्यक्ष राजकुमार वर्मा ,पूर्व मंडल अध्यक्ष भाजपा एव कार्यकर्ताओं के साथ विद्यालय के शिक्षक एवं विद्यालय स्टाफ भी मौजूद था।

पंच ने सरपंच-सचिव पर गबन के आरोप लगाए

देवास। बागली जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम पंचायत इकलेरा में भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। पंचायत के पंच मायाराम पिता पुना जी ने जिला दंडाधिकारी को शिकायती आवेदन देकर सरपंच और सचिव पर वित्तीय अनियमितताओं एवं गबन के गंभीर आरोप लगाए हैं। पंच ने आरोप लगाया है कि पंचायत में किए गए कार्यों की निर्माण सामग्री के बिल बाजार दर से कहीं अधिक दरों पर बनाए गए। आवेदन में कहा गया है कि एक ही दिनांक के बिलों में अलग-अलग दरों का उल्लेख कर राशि निकाली गई। इन बिलों की प्रतियां पंचायत दर्पण पोर्टल से डाउनलोड कर जिला प्रशासन को सौंपी गई हैं। शिकायत में यह भी बताया गया कि निर्माण में घटिया सामग्री का उपयोग किया गया। सीमेंट और रेती जैसी सामग्री कम दाम पर खरीदी गई, लेकिन बिल में महंगे दाम दिखाकर राशि का भुगतान किया गया। पंच ने यह भी आरोप लगाया कि जब उन्होंने इस अनियमितता पर सरपंच और सचिव से सवाल किया तो उन्हें अपमानित करते हुए टाल दिया गया। मायाराम ने कलेक्टर से मांग की है कि सरपंच और सचिव के कार्यकाल की पूरी जांच कराई जाए और गबन की पुष्टि होने पर कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि पंचायत की सहकारी राशि का सही उपयोग हो सके।

सरपंच चंपालाल पाटीदार ने कहा, मायाराम हमारी शिकायत करता रहता है। उसने हमारे खिलाफ कोर्ट में याचिका भी दायर की है जिसमें भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए हैं। लेकिन हम गलत नहीं हैं। वह साबित करे कि हम कहां गलत हैं।

सचिव से संपर्क किया गया, लेकिन उन्होंने फोन उठाना उचित नहीं समझा।

दुर्गा वाहिनी मातृ शक्ति पथ संचलन का स्वागत

सतवास। आदिशक्ति भवानी के पावन पर्व नवरात्र में मंगलवार को दुर्गावाहिनी मातृ शक्ति विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के सहयोग से नगर में पथ संचलन निकाला गया पथ संचलन का महाराणा प्रताप चौराहा बस स्टैंड सतवास पर करणी सेना परिवार द्वारा फूल फेंक कर स्वागत किया। इस अवसर पर करणी सेना सतवास के नव नियुक्त तहसील अध्यक्ष सुमेर सिंह, संतोष सिंह गौड़, महेंद्र सिंह सोलंकी,कुन्दन सिंह, गोविन्द सिंह, अजय सिंह, निखिल सिंह अजब सिंह, एवं चंदू पटेल, आदि थे।

तीसरी आंख की निगाह हर दुर्गा पंडाल पर और प्रतिमा पर

बागली। नवरात्रि पर्व के एक दिन पहले शांति समिति की बैठक के दौरान बागली पुलिस अनु विभागीय अधिकारी सृष्टि भार्गव बागली थाना प्रभारी प्रदीप राय द्वारा आगामी पर्व शांति व्यवस्था से मनाए जाने की अपील की गई शांति समिति बैठक के दौरान नगर में आवारा पशु और बार-बार विद्युत कटौती परेशानी के साथ-साथ माता पाडांल और मंदिरों के आसपास गंदगी का मुद्दा उठाया गया जिसे संबंधित विभाग को अवगत करा दिया गया है। नगर परिषद सी एम ओ प्रमोद बरुवा ने बताया कि उनकी सफाई मित्र टीम मंदिरों के आसपास विशेष रूप से कार्य कर रही है। विद्युत विभाग से जुड़े अधिकारी ने आश्वासन दिया है की नवरात्रि पर्व के दौरान विद्युत कटौती नहीं के बराबर की जाएगी विशेष कर रात्रि में सतर्कता बरती जाएगी बागली थाना प्रभारी प्रदीप राय ने बताया कि उनके पास सभी दुर्गा पंडाल और माता मंदिरों की सूची और जानकारी उपलब्ध है। इन सभी स्थानों पर तीसरी आंख सी सी टी वी कैमरे के रूप में अपना काम कर रही है। फिर भी नागरिकों से निवेदन है ।कि वह अपने घरों पर लगे कैमरे का फोकस मुख्य मार्ग और मंदिरों की तरफ करें। आने वाले सभी त्योहार शांति से निपट जाए।

18 हजार की आबादी वाले सोनकच्छ में 167 कर्मचारी, 4 माह से तनख्वाह नहीं

गोविन्द सिंह बघेल

सोनकच्छ। नगर वैसे तो राजनीतिक सहित कई मुख्य मुद्दों पर संवेदनशील माना जाता है। उस नगर के बारे में एक ऐसी जानकारी पूरे सिस्टम को तमाचा देती है। जो कि पूरे प्रदेश में मिसाल है। यहां नगर परिषद में करीब 167 अधिकारी कर्मचारी कार्य करते है। जिन्हें उनके कार्य करने पर लाखों रुपए की तनख्वाह शासन द्वारा दी जाती है।

नगर सोनकच्छ कालीसिंध नदी के किनारे बसा विधानसभा मुख्यालय जिसकी आबादी करीब 18 हजार के लगभग है। यहां पर स्थित नप द्वारा चार माह से अधिकारी कर्मचारियों का चार माह का वेतन रोक रखा है। जिसके कारण उन कर्मियों की आर्थिक हालत बदतर हो चुकी है। हालांकि कुछ दिन पूर्व सफाईकर्मियों के हड़ताल पर जाने के डर से तनख्वाह डाली गई। लेकिन अन्य कर्मियों की नही डालने से वे ठगा महसूस कर रहे है। शासन से पात्रता अनुसार नप तनख्वाह बांटने के लिए करीब 24 लाख रुपए डाले जाते है जो कि स्थायीकर्मियों के लिए दी जाती है पिछले माह यह राशि 13 लाख रुपए ही प्राप्त हुई उसका मुख्य कारण था विद्युत विभाग का बिल जो कि नप द्वारा स्ट्रीट लाइट व अन्य कार्यों के लिए दिया जाता है। नप से प्राप्त जानकारी अनुसार यहां 167 अधिकारी कर्मचारी है। जिनकी महीने की तनख्वाह पीएफ एनपीएस मिलाकर 40 लाख रुपए का भार आ रहा है जो कि 18 हजार की आबादी बहुत ही बड़ा व्यय है। तनख्वाह की बात करें तो नप को एक माह में 37 लाख रुपए कर्मियों को देने पड़ते है जो कि अन्य नप के मुताबिक बहुत ज्यादा है। इधर नप में कार्यरत कई लोग चार माह से तनख्वाह नही मिलने से कई लोन कम्पनी के लोन नही भर सकें है। जिसके कारण उनकी सिबिल खराब हो गई। इतना ही नही इन दिनों त्योहारों का सीजन शुरु हुआ उसे लेकर भी तनख्वाह नही मिलने से वे नाराज है। यह पहला मौका है जब नप में 4 माह तक कर्मियों की तनख्वाह रोक रखी हो। मामले को लेकर नप सीएमओ अमरदास सेनानी का कहना है कि, कई नप में सेवा दी है यहां अधिक कर्मचारी है जो कि शायद किसी भी नप में नही है। इसलिए शासन स्तर से कर्मियों को हटाने की चर्चा चल रही है। करीब 24 लाख रुपए की पात्रता है लेकिन बिजली विभाग का बिल कटने के बाद पिछले माह मात्र 13 लाख रुपए मिलें है। सफाई कर्मियों को तनख्वाह दी थी जिसमें 5 लाख रुपए अन्य करों से दिए थे।

एक नजर नगरवासियों को प्रतिवर्ष कम से कम एक पौधा लगाने और उसकी देखभाल करने का संकल्प दिलाया

अवधूत दादा गुरु का हुआ नगर में भव्य आगमन, गगनभेदी जयकारों के साथ स्वागत

कांटाफोड़ । सोमवार को नगर का वातावरण भक्ति और उत्साह से सराबोर हो उठा, जब माँ नर्मदा के कृपा पात्र अवधूत पूज्य दादा गुरु का नगर आगमन हुआ। उनके पावन सान्निध्य में एक पेड़ माँ के नाम वृहत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सरस्वती शिशु मंदिर, वार्ड क्रमांक 03, गोविंद नगर, कांटाफोड़ में संपन्न हुआ। दादा गुरु के आगमन पर श्रद्धालुओं ने गगनभेदी जयकारों के साथ उनका स्वागत किया। जगह-जगह पर पुष्पवर्षा की गई। महिला-पुरुष, बच्चे-बुजुर्ग सभी श्रद्धा से सम्मिलित हुए।

दादा गुरु ने 108 पौधों का सामूहिक वृक्षारोपण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि माँ नर्मदा समस्त जीवों की जीवनदायिनी हैं। उनकी कृपा से ही यह धरा हरी-भरी और समृद्ध है। यदि हर परिवार माँ के नाम एक पेड़ लगाए तो यह केवल वृक्षारोपण नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के जीवन की रक्षा होगी। पेड़ केवल ऑक्सीजन ही नहीं देते, बल्कि वे

मानवता और प्रकृति के बीच संतुलन काआधार हैं। वार्ड पार्षद अनिरुद्ध शर्मा ने कार्यक्रम की रूपरेखा से लेकर वृक्षारोपण तक सक्रिय भूमिका निभाई । उन्होंने सभी नगरवासियों को प्रतिवर्ष कम से कम एक पौधा लगाने और उसकी देखभाल करने का संकल्प दिलाया। इस अवसर पर नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी हजारों श्रद्धालु उपस्थित हुए। कार्यक्रम स्थल पर सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। वही दादा गुरु ने अपने उद्बोधन में कहा कि नवरात्रि की शुरुआत शक्ति स्वरूपा मां की उपासना से होती है। मिट्टी (माटी) में भी मां का ही स्वरूप देखा गया है, क्योंकि वही सृष्टि की आधारशिला है। सच्ची भक्ति का अर्थ है चाहे मन लगे या न लगे, सत्संग और नाम-स्मरण करते रहना। राम, हरि या किसी भी दिव्य नाम का स्मरण अंततः सत्य की उपासना है, क्योंकि हर नाम हमें सत्य से जोड़ता है। दादा गुरु (मां नर्मदा भक्त) का संदेश यही है कि भक्ति केवल अनुष्ठान नहीं बल्कि सत्य और शक्ति का सतत स्मरण है। तुम तो बोलते रहना राम का नाम हरि का नाम निश्चित ही लाभ होगा जैसे नाम स्मरण की महिमा है वैसे ही एक और महाशक्ति का प्रकट हुआ जिसके दर्शन की महिमा है नर्मदा का सिर्फ दर्शन देखो मन हो या न हो तुम तो नर्मदा जी का दर्शन करते रहना और मन लगे कि न लगे तुम तो राम का नाम लेते रहना हरि का नाम लेते रहना।